श्री. प्रेमकुमार नाईक,

वर्तमान में वर्धा समाज कार्य संस्थान,(महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) में शोधार्थी हैं। इसके साथ ही वह सामाजिक सशक्तिकरण बहुउद्देशीय संस्था, वर्धा के अध्यक्ष, स्वाभिमान जनसेवा बहुउद्देशीय संस्था, वर्धा के सचिव और मानस बहुउद्देशीय शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्था, वर्धा के सलाहकार सदस्य हैं। इन्होंने समाज कार्य, मानवाधिकार और गांधी और शांति अध्ययन विषय में नेट, सेट और जेआरएफ हैं। समाज कार्य विषय में परास्नातक एवं एम.फिल करने के साथ ही इन्होंने समाजशास्त्र में परास्नातक, मानवाधिकार, ग्रामीण विकास, गांधी और शांति अध्ययन, में पीजी डिप्लोमा और पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा किया है। उनकी मूल पुस्तक 'गांधीवादी संस्थान और रचनात्मक कार्यक्रम' है। इनके द्वारा संपादित पुस्तकों में 'महिला सशक्तिकरण: मिथक, इतिहास और यथार्थ, सामाजिक विकास में दिव्यांगजन: चुनौतियाँ और संभावनाएँ' और ''सामाजिक सशक्तिकरण के विविध आयाम''प्रमुख हैं। इनके सामाजिक मुद्दों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में विभिन्न शोध पत्र एवं शोध आलेख प्रकाशित हुये हैं। साथ ही वह संशोधक यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिका धुळे. (२०२३-२०२४) और शोध उत्कर्ष ई. पत्रिका (दलित उत्कर्ष समिति द्वारा प्रकाशित) (२०२३-२०२४) में अतिथि संपादक हैं। इन्होने विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठीयों में संरक्षक, निदेशक, संयोजक के रूप में भूमिका निभाई है।

डॉ. नरेश कुमार गौतम,

वर्तमान में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में समाज कार्य विभाग में बतौर सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इन्होंने अपना एम. ए., एमफ़िल. एवं पीएच-डी. समाज कार्य विषय में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) से पूर्ण किया है। इन्होंने अपने एमफिल. का लघु शोध सामुदायिक यौनिकता का संस्कृतिकरण: विशेष न्दर्भ बेड़िया समुदाय एवं पीएच-डी घुमंतू समुदाय और स्वास्थ्य प्रणाली: घुमंतू सामुदायिक उपचारकों का एक अध्ययन विषय पर पूर्ण किया है। इन्होंने अपने निर्देशन में तीन पीएच-डी अवार्ड कराने के साथ विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में शोध आलेख, आलेख, यात्रा वृतांत, फ़ैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट आदि के साथ ही इन्होंने अब तक तीन पुस्तकों का संपादन भी किया है जिसमें (1) Transgender, Society and Media (2023), (2). A Discourse on Transgender: Society and Media Worldwide (2023), (3) A Discourse on Transgender: Representation in Media and Society (2024)

डॉ. माधुरी हरिभाऊ झाडे,

समाजशास्त्र की प्रतिष्ठित विद्वान हैं और वर्तमान में डॉ. अम्बेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। सामाजिक कार्य और समाजशास्त्र में उनके १५ वर्षों से अधिक का शिक्षण एवं शोध अनुभव है। उन्होंने सामाजिक कार्य में एम.एस.डब्लू. और समाजशास्त्र विषय में एम.ए., एम.फिल., सेट तथा पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें राष्ट्रीय एकता फेलोशिप (२००६) और नारी रत्न पुरस्कार (२०१७) से सम्मानित किया गया है। उनकी मूल पुस्तक 'स्वयं को जानो' प्रकाशित हो चुकी है, साथ ही विभिन्न संपादित पुस्तकों में उनके ७ से अधिक अध्याय प्रकाशित हुए हैं। उनके २७ से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं तथा उनके लेख निरंतर विभिन्न वृत्तपत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। उन्होंने कोलंबो, श्रीलंका में 'सतत विकास' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मेलघाट के पयविहिर गांव की केस स्टडी प्रस्तुत की थी। अब तक वे २०० से अधिक विभिन्न विषयों पर व्याख्यान एवं मार्गदर्शन दे चुकी हैं। इसके अलावा, वे लैंगिक समानता पर ७०० से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन कर चुकी हैं। पिछले १० वर्षों से वे विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर महिलाओं की समस्याओं और महिला सशक्तिकरण के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

❊ प्रकाशन

सामाजिक सशक्तिकरण बहुउद्देशीय संस्था वर्धा

कपिल वस्ती, सुतगिरणी ले आउट वरूड वर्धा,

महाराष्ट्र ४४२१०२, फोन नं. - 9130331541

Email : samajik.sashakteekaran.2023@gmail.com

Rs. 600/-

ISBN No. :9788197023583

प्रेमकुमार नाईक | डॉ. नरेश कुमार गौतम | डॉ. माधुरी हरिभाऊ झाडे

सामाजिक सशक्तिकरण के विविध आयाम

सामाजिक सशक्तिकरण के विविध आयाम

प्रेमकुमार नाईक

डॉ. नरेश कुमार गौतम

डॉ. माधुरी हरिभाऊ झाडे